

ऐसा मेरा सतगुरु कहे समझाया भजन लिरिक्स



ऐसा मेरा सतगुरु कहे समझाया,
जागी सुरत मेहर सतगुरु कि,
जब प्रीतम दरसाया,
ऐसा मेरा सतगुरु कहें समझाया।bd।

सतगुरु सेन दया कर दिनी,
मन का मेल मिटाया,
हुतू झाड काट कियो क्याने,
सोहम राह बताया,
ऐसा मेरा सतगुरु कहें समझाया।bd।

अडद ऊडद बिच जोय सुखमणा,
तां पर बंद लगाया,
बंकनाल ऊलटा होय चाल्या,
सतगुरु मर्ग बताया,
ऐसा मेरा सतगुरु कहें समझाया।bd।

पांचो मुद्रा झुकी ऊरद पर,
तंत पांचो ऊलटाया,
नवसो नाड धमकती चाल्यो,
रोम रोम घरनाया,
ऐसा मेरा सतगुरु कहें समझाया।bd।

अगम भोम जहा गंगन मंडल हे,
सुरती का बंद लगाया,
तां के आगे छेक दसवा को,
मानसरोवर न्हाया,
ऐसा मेरा सतगुरु कहें समझाया।bd।

तां के आगे सात सुन हे,
श्वेत फुल दरसाया,
तद्वा नवल जी बरणा मे लोटे
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



गुरु करता जी से पाया,
ऐसा मेरा सतगुरु कहें समझाया।bd।

ऐसा मेरा सतगुरु कहें समझाया,
जागी सुरत मेहर सतगुरु कि,
जब प्रीतम दरसाया,
ऐसा मेरा सतगुरु कहें समझाया।bd।

गायक – धनराज जोशी।
प्रेषक – दिनेश दास जी महाराज।
शाहपुरा, 8290236813
